राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2082, बैशाख, कृष्ण पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: अप्रैल - 2025

कर्मयोगिनी संगम

कुल जिले	30
सहभागी जिले	23
कुल प्रतिभागी	35620

सेवा भारती दक्षिण तमिलनाडु ने रविवार 2 मार्च 2025 को अमृता विश्वविद्यालय परिसर नागरकोइल कन्याकुमारी में कर्मयोगिनी संगमम का आयोजन किया गया। माननीय दत्तात्रेय होसबाले सरकार्यवाह रा.स्व.संघ, सतगुरु अमृतानंदमयी देवी, अहिल्याबाई होल्कर अखिल भारतीय शताब्दी समारोह समिति की मुख्य संरक्षक, श्रीमती टेसी थॉमस (मिसाइल महिला) प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (डीआरडीओ की पूर्व निदेशक, वीसी एनआईसीएचई, श्रीमती सुधा शेशियायन, केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान की उपाध्यक्ष, कलैमामणि श्रीमती विशाखा हरि भक्ति गायिका उपस्थित रही और उन्होंने पचास हजार वैभवश्री महिला सदस्यों की सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत संन्यासी पद पूजा से हुई और श्रीमती टेसी थॉमस ने बैठक की अध्यक्षता की। सद्गुरु माता अमृतानंदमयी देवी ने अपने आशीर्वाद भाषण में कहा कि हमारे देश के पुनर्निर्माण में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका है, पुरुषों और महिलाओं को समानता की भावना के साथ विश्व कल्याण के लिए काम करना चाहिए। माननीय सरकार्यवाह दत्तात्रेय जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व होना चाहिए और समाज में अच्छे बदलाव लाने के लिए प्रत्येक नागरिक को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से काम करना होगा।

19520	शिक्षा
9560	स्वास्थ्य
9392	सामाजिक
5649	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 44121 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

प्रान्त वैभवश्री प्रमुख का प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती स्वावलंबन अयाम के अंतर्गत प्रान्त वैभवश्री प्रमुखों का प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 3 मार्च 2025 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा भारती के अ. भा. संगठन मंत्री श्री सुधीर कुमार जी, राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री श्री विजय पुराणिक जी, न्यासी श्रीमती चन्द्रिका चौहान तथा वैभवश्री विषय के अ. भा. संयोजक डॉ. भद्रदास जी उपस्थित रहे।

यह प्रशिक्षण वर्ग आत्मनिर्भरता और सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इसमें कौशल विकास, स्व-रोजगार और सामुदायिक कल्याण के महत्व पर जोर दिया गया। यह आयोजन प्रान्त में संगठनात्मक प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय सेवा साधना - आपदा प्रबंधन वार्षिक विशेषांक पुस्तक का प्रान्तों में विमोचन किया गया

प्रान्त: उत्तर असम

गुवाहाटी के सुदर्शनालय, बरबारी में सेवा भारती पूर्वांचल, उत्तर असम प्रान्त में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा प्रकाशित पुस्तक "राष्ट्रीय सेवा साधना 2025" का भव्य विमोचन किया गया। इस पुस्तक में सेवा भारती एवं संघ के कार्यकर्ता द्वारा किए गए आपदा प्रबंधन सेवा कार्यों का विस्तार से उल्लेख है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सेंथिल कुमार जी सह सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में पुस्तक के योगदान को रेखांकित किया।

प्रान्त: केरल

केरल के माननीय राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर जी ने राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय सेवा साधना 2025 के विशेष संस्करण जो आपदा प्रबंधन पर केंद्रित है उसका विमोचन किया I यह कार्यक्रम पथानामथिट्टा जिले के कोन्नी में संथवनस्पर्शम पुनर्वास केंद्र के उद्घाटन अवसर पर हुआ। इस विशेष प्रकाशन को देसीय सेवा भारती, केरल प्रान्त के महासचिव डॉ. श्रीराम शंकर एवं चित्तिलापिल्ली फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. जॉर्ज स्लीबा ने किया और कार्यक्रम में सेवा भारती, पथानामथिट्टा के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार जी भी उपस्थित रहे।

प्रान्त: दक्षिण तमिलनाडु

सेवा भारती तमिलनाडु ने 06 मार्च 2025 को धर्मपुरी जिले के होगेनक्कल में जनजाति समुदायों के लिए अपनी छठी निःशुल्क मोबाइल चिकित्सा इकाई शुरू की। यह सेवा विस्तार फाइनेंस और समर्पण सेवा ट्रस्ट (बेंगलुरु) के सहयोग से प्रीतम अस्पताल और सेवा भारती तमिलनाडु द्वारा संचालित की जा रही है।

इस नई इकाई का उद्घाटन राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री श्री विजय पुराणिक जी ने किया। इस अवसर पर संघ के इरोड क्षेत्र प्रमुख - श्री चंद्रशेखर जी, पूज्य श्री रामानन्द स्वामीजी जी, अखिल भारतीय संन्यासी संघ के संस्थापक - श्री डी.सी. इलंगोवन जी, सेवा भारती तमिलनाडु के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विवेकानन्दन जी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रान्त: झारखण्ड

सेवा भारती झारखण्ड प्रान्त, पाकुड़ जिला के तत्वावधान में लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम दुमगो, कुंज बोना पंचायत में जनजातीय पहाड़िया समाज का भव्य ग्रामोत्सव आयोजित हुआ। राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पारंपरिक वेषभूषा में महिलाओं व पुरुषों ने मांदर की धुन पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

इस अवसर पर महिला दिवस व होली मिलन का आयोजन भी हुआ। सभी को धोती-साड़ी भेंटकर सम्मानित किया गया और अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के बाद सामूहिक भोज हुआ। आयोजन में सेवा भारती के पदाधिकारी, ग्राम प्रधान, मुखिया और 12 गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ प्रान्त में सेवा भारती रायपुर द्वारा संचालित संस्कार केंद्र और सिलाई केंद्र के शिक्षकों का मासिक प्रशिक्षण वर्ग मातृ छाया, कोटा में संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ वर्ग का शुभारंभ हुआ।

सेवा भारती रायपुर के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल जी ने सेवा भारती के विभिन्न सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल जी ने संस्कार केंद्रों के महत्व और शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा की। सचिव श्री रोहित द्विवेदी जी ने केंद्रों के विधिवत उद्घाटन पर जोर दिया।

डा. संगीता कश्यप जी ने किशोरी विकास कार्यक्रम पर विचार रखे। वर्ग में 75 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

प्रान्त: केरल

स्वच्छता सेवा कार्य सेवा भारती मय्यनाड इकाई,उमायनाल्लूर मंदिर के अरट्टुकुलम में जमा काई और प्लास्टिक कचरे को केरल प्रान्त के कार्यकर्ताओं ने साफ किया। इस सफाई अभियान में स्थानीय लोग और मंदिर समिति के सदस्य भी शामिल हुए।

प्रान्त: अवध

अवध प्रान्त में सेवा भारती द्वारा श्री वाल्मीकि मंदिर, मोहल्ला कोटैया बाग में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त शर्करा जांच, रक्त परीक्षण, आवश्यक दवाइयां और परामर्श दिया गया।

प्रान्त: पंजाब

सेवा भारती फाजिल्का द्वारा श्री राम सेवा संघ वेलफेयर सोसायटी फाजिल्का के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन गांव लाधुका के सरकारी प्राइमरी स्मार्ट स्कूल में सरदार भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव जी की याद में उनके बलिदान दिवस पर किया गया। जिसमें फाजिल्का ब्लड बैंक के मैडम रंजू गिरधर, रजनीश चलाना, राज सिंह, अर्शदीप सिंह, गुरभिंदर सिंह द्वारा 100 यूनिट्स रक्त संग्रहित किया गया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

सेवा भारती जम्मू कश्मीर कार्यालय, अम्ब्फला में दो दिवसीय बाल संस्कार केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग 22 व 23 मार्च 2025 को संपन्न हुआ। वर्ग का उद्घाटन श्री राकेश जी (प्रधान) व त्रिलोक जी (उप प्रधान) द्वारा हुआ। इस वर्ग में जम्मू संभाग से 36 संस्कार केन्द्रों के शिक्षकों ने भाग लिया।वर्ग में कुल आठ बैठक रही. बैठकों में प्रशिक्षण के साथ शिक्षिकों की प्रतियोगिता भी रही। समापन सत्र में माननीय जय देव जी व अन्य उपस्थित रहे।

प्रान्त: मालवा

मालवा प्रान्त में सेवा भारती इंदौर महानगर द्वारा स्वावलंबन आयाम के संचालित स्वयं सहायता समूह की बहनों ने प्राकृतिक रंगों का गिफ्ट पैक तैयार किया। फार्मा कंपनी ने 40 गिफ्ट पैक का ऑर्डर दिया, जिसमें जूट बैग, होली के रंग और ठंडाई शामिल हैं।

प्रान्त: झारखण्ड

26 मार्च 2025, सेवा भारती, झारखंड के तत्वावधान में तीन दिवसीय सेवा सारथी प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह प्रशिक्षण वर्ग अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत जोन्हा के ग्राम गुड़ीडीह अवस्थित सेवा धाम में आयोजित किया गया है। इस वर्ग में झारखंड के विभिन्न जिलों से 130 महिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण ले रही हैं। त्रिदिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ता के गुण विकास से साथ-साथ ऑनलाइन कार्य करने की तकनीकी, स्वावलंबन, स्वरोजगार, ग्रामीण उद्यमिता प्रशिक्षण, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आदि महत्वपूर्ण विषयों के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिए जाएंगे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सेवा भारती के सेवा कार्यों को झारखंड के सभी प्रखंडो,पंचायतों व सेवा बस्तियों में पहुंचाने का लक्ष्य है। इस विस्तार कार्य हेतु सेवा सारथी की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।"

उद्घाटन सत्र में गुरुशरण प्रसाद ने बताया कि समाज में सरकार और अन्य संस्थाओं के द्वारा स्वयं सहायता समूह चल रहे हैं, सेवा भारती ने स्वयं सहायता समूह का नाम वैभवश्री दिया है। " वैभव "अर्थात धन " श्री " अर्थात लक्ष्मी। सेवा भारती वैभवश्री आयाम के माध्यम से महिलाओं बीच सेवा, संस्कार और समरसता तीन विषयों को लेकर कार्य कर रही है। सेवा संस्कार और समरसता से ही संपूर्ण समाज में सुन्दर वातावरण निर्माण होगा और देश का सर्वांगीण विकास होगा।

आज के प्रशिक्षण वर्ग में समय नियोजन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर स्वरोजगार व उद्यमिता प्रशिक्षण को लेकर आटा चक्की,राइस मिल, तेल निकालने की पद्धति, गिले दाल,मसाला पीसने की तकनीक, कागज के दोना,पतल मशीन से बनाने आदि तकनीकी कौशल सिखलाए गए। साथ ही रोचक खेल कूद, योगासन बताया गया। प्रशिक्षण वर्ग के संचालन में वर्गाधिकारी संजय गोयल, लक्ष्मण पात्रा, महेंद्र जी आदि कार्यकता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रान्त: मालवा

"अखिल भारतीय महिला दिवस" एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारिका, सावित्रीबाई फुले की 128वीं पुण्यतिथि के अवसर पर "सेवा भारती इंदौर" द्वारा नगरीय सेवा बस्तियों के 40 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए*

इन कार्यक्रमों में सावित्रीबाई फुले के व्यक्तित्व से परिचय कराते हुए उनके द्वारा समाज में योगदान को स्मरण किया गया। सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं और वंचित वर्गों की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। कार्यक्रमों में आमंत्रित वक्ताओं ने बस्तियों से आई मात्रशक्तियों के समक्ष सावित्रीबाई फुले के संघर्षमय जीवन और उनके द्वारा स्थापित किए गए शिक्षा संस्थानों पर प्रकाश डाला।

लगभग 1417 बालिकाओं व महिलाओं ने इन कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर एवं उनके आदर्शों से प्रेरित होकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। अनेक बालिकाएं सावित्रीबाई फुले की वेशभूषा में आई थीं।

सेवा भारती के इन आयोजनों ने समाज में शिक्षा के महत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल दिया। सावित्रीबाई फुले के विचार और कार्य आज भी समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण के लिए मार्गदर्शक हैं।

सेवा की नई गाथा लिखने वाले : नरेंद्र भाई पंचासरा

संपूर्ण सृष्टि में एक सूर्य जिसकी अनंत किरणे अनगिनत घरों को रोशनी से भर देती है ,.ठीक वैसे ही गुजरात के नरेंद्र काका जिनके व्यक्तित्व के विचारों का प्रवाह आज भी अनगिनत तन- मन को राष्ट्र प्रेम की ऊर्जा से ओतप्रोत कर रहा है। गुजरात के अमरेली में जन्मे पंचासरा जी ने पंचमहाल जिले के ग्रामीणांचल से अपना प्रचारक जीवन शुरू किया। 1977 में उनका केन्द्र जब सूरत बना, तब तक वे अपना जीवन का लक्ष्य समझ चुके थे...और वो था दक्षिण गुजरात के जनजातीय क्षेत्र का समग्र विकास। फिर क्या था उन्होंने अर्जुन की भांति अपने लक्ष्य को बेधने के लिए एक वृहद योजना बनाई। जनजातीय समाज में अशिक्षा ,नशा , धर्मांतरण, बेरोजगारी, गरीबी लुप्त होती जैविक खेती, जैसी अनेक समस्याओं के उन्मूलन हेतु सूरत में 1999 में डॉ अंबेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट की स्थापना की।

जिनके हौसले बुलंद होते हैं उम्र उनके आड़े नहीं आती। नरेंद्र काका ने जीवन के 66 वर्ष पूर्ण होने के बाद कल्याण रूपी ट्रस्ट के रथ पर आरूढ़ होकर सूरत के पास डांग और तापी जिले के करीब 270 गांवों में विकास की भागीरथी के लिए रास्ता बनाया। जीवन की संध्या अर्थात 18 वर्ष तक इस सतत सेवागंगा से हजारों परिवार लाभान्वित हुए।

श्री नरेन्द्र भाई गिरधरलाल पंचासरा जिनका जन्म गुजरात के अमरेली में वर्ष 1933 मे हुआ था उन्होंने अपनी मां को 4 वर्ष की उम्र में ही खो दिया था। पिता श्री गिरधरलाल पंचासरा जी ने हीं सभी बच्चों के लिए मां और पिता दोनों का दायित्व पूरी श्रद्धा से निभाया।तत्कालीन प्रांत प्रचारक माननीय लक्ष्मणराव ईनामदार जी नरेद्र को शाखा तक लाए और पूरा जीवन उनका मार्गदर्शन पंचासरा जी को मिला।सेवाभावी नरेंद्रकाका ने बचपन से ही मन बना लिया था कि वे स्वयं को राष्ट्र सेवा के योग्य बनाएंगे। अमरेली में पढ़ाई के पश्चात् अपने भीतर बैठे चित्रकार को उन्होंने मौका दिया इंदौर में कुछ पैसे कमाने का परंतु मन पूर्णतया राष्ट्र सेवा में समर्पित होने के कारण लगभग 25 की आयु में वे गोधरा से प्रचारक के रूप में निकल गए।

नरेंद्रभाई के साथ लंबे समय जिन्होंने काम किया ऐसे पूर्णकालिक कार्यकर्ता भूपेंद्र भाई बताते हैं कि डॉ. अंबेडकर बनवासी कल्याण ट्रस्ट ने डांग व तापी जिले में 130 सखी मंडलों की रचना कर,1600से अधिक महिलाओं को न सिर्फ सक्षम व स्वावलंबी बनाया बल्कि उनमें नेतृत्व के भाव को जागृत किया है। ट्रस्ट ने 250 गांवों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें जैविक खेती करना व स्वयं उन्नत बीज का निर्माण करना सिखाया। ट्रस्ट के सेवाभावी कार्यकर्ताओ द्वारा वर्ष 2006 में, तापी जिले में सोनगढ़ तहसील के गताड़ी गाँव में ग्राम विकास का कार्य शुरू किया था, आधुनिक कृषि, बीज उत्पादन, पानी के संवर्धन हेतु बोरीबंध का निर्माण, देशी खातर (खाद) एवं जीवामृत बनाने के लिए कृषकों को तैयार कर प्रभावी निदर्शन बनाए गए। कार्यकर्ताओं के प्रयासों व नरेन्द्र काका के मार्गदर्शन नें 14 वर्षो में गताड़ी को आईडियल विलेज बना दिया। फसलों का उचित दाम मिले इसके लिए किसान मेले भी शुरू किए गए। सेवाधाम के माध्यम से 2003 में आहवा गांव में, किराये के मकान में छात्रावास प्रारम्भ किया गया एवं 2005 में सेवाधाम के अपने भवन में 9 वी से 12वी तक के वंचित वर्ग के छात्रों के लिए छात्रावास कि स्थापना की गई।

वर्षों तक नरेंद्र काका के सानिध्य में कार्य करते तत्कालीन पश्चिम सूरत के संघ चालक रहे श्री मीठालाल जी जैन बताते हैं कि एक बार कच्छ में जब भूकंप आया तो दिनभर कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर ट्रस्ट में बांटने के लिए 15 दिन के अनाज के एक-एक पैकेट तैयार किये। दूसरे दिन उन पैकेट में कुछ पैकेट कम दिखाई दिए । यह देखकर कार्यकर्ताओं को याद आया की पास में कंस्ट्रक्शन चल रहा है और वहां मजदूर लगे हुए हैं जरूर उन मजदूरों ने ही इसमें से कुछ पैकेट चुराए हैं उन्होंने नरेंद्र काका को यह बात बताई तो नरेंद्र काका ने उनसे कहा कि आप सभी एक-एक पैकेट लेकर जाइए और उनके घरों में देकर आईये ,सभी लोग चौंक गए कि उन्होंने चोरी की और फिर आप उन्हें पैकेट भी दे रहे हैं, तो काका ने कहा कि उन्हें अनाज की चोरी करनी पड़ी, ये हमारी कमजोरी है जबकि उनका भरण पोषण करना समाज की जिम्मेदारी थी। दोबारा भोजन पैकेट मिलने पर मजदूरों को स्वयं अपनी गलती का एहसास हुआ।

अपने सानिध्य में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की वे चिंता करते थे। लंबे समय से उनके सारथी रहे चौधरी चाचा बताते हैं कि उनके दोनों बच्चों को बोलने में समस्या थी तो नरेंद्रकाका ने दोनों बच्चों को शाखा में गीत और प्रार्थना करने की जिम्मेदारी दी और उसका परिणाम यह हुआ कि एक साल में दोनों बच्चों के तुतलाहट और गले का रोग दूर हो गया

किसका उपयोग समाज हित में कैसे करना और कब करना वे भली-भांति जानते थे। वर्तमान में अंबेडकर भवन के ट्रस्टी पीयूष मेहता जी बताते हैं की 2005 में नरेंद्र काका ने उनसे पूछा कि आप सेवानिवृत्त कब हो रहे हैं ?

पीयूष भाई के जवाब में 30 नवंबर सुनते उन्होंने कहा कि 1 दिसंबर से वे कार्यालय आ जाएं आपके लिए कार्य निश्चित कर दिया गया है। 2007 से अभी तक पीयूष अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे है।

यह घटना 2005 की है, यानी उन्होंने अगले 2 सालों के लिए भी योजना बना ली थी। पीयूष भाई बताते हैं कि नरेंद्र काका को कार्यकर्ता की परख थी वह कार्यकर्ता की दक्षता उसके गुण को पहचान कर उसे क्या कार्य देना है यह समझ जाते थे।

कुछ लोग इस दुनिया से जाकर भी यहीं रह जाते हैं।

गुजरात में नरेंद्र भाई पंचासरा के सत्कर्मो की गूंज आज तक जन-जन में व्याप्त है। उनके प्रेम उनके वात्सल्य ने उन्हें जन-जन के लिए नरेंद्र काका बना दिया।

अपने पैरों पर खड़ा अनसरवाड़ा

भटके विमुक्त विकास परिषद्, लातूर

देवगिरी प्रान्त

यह कहानी है एक अनोखे गाँव की। नाम है अनसरबाड़ा। यह गाँव महाराष्ट्र के लातूर जिले में स्थित है। गाँव के पास एक पठार है, उस पठार पर कुछ घुमंतु जातियों के लोग निवास करते हैं। लोग इनको डोंबारी(मदारी) कहते हैं। ये लोग अपने आप को श्री कृष्ण से जोड़ कर अपने आपको गोपाल कहते हैं। यानि गोपाल समाज के लोग। १९९६ से पूर्व इस नाम का समाज होता है लोग जानते भी नहीं थे ।सरकार तो क्या अन्य समाज के लोगों का भी इधर ध्यान नहीं गया। संघ के कुछ स्वयंसेवक एवं गोपाल समाज के कुछ लोगों की सक्रियता से इन लोगों के लिए उत्थान की योजना बनाई गई। पठार पर स्थाई बस्ती बसाने की योजना बननी गई। बस्ती का नाम कारन हुआ गोपाल नगरी। ८० परिवारों की ७८२ जनसँख्या वाली इस बस्ती के विकास के लिए एक संस्था बनी। नाम रकः गया भटके विमुक्त विकास परिषद्। इसको गोविन्द महाराज गोपाल समाज विकास परिषद् के नाम से पंजीकृत कराया गया।

बस्ती में अधिकांश परिवार झुग्गी झोपडी या पाल(फटे पुराने कपड़ों को सिल कर टेंट नुमा घर) में रहते थे। परिषद् के कार्यों से अनसरबाड़ा के गोपाल समाज के लोगों के जीवन में परिवर्तन की हवा बहने लगी ।मुम्बई के एक व्यापारी श्री हितेन जी ने आगे बात कर बस्ती विकास की जम्मेदारी ली। उन्होंने बस्ती के लिए १०० पक्के घर बनबा कर सोंपने का संकल्प लिया। इस बस्ती में मंदिर और विद्यालय के साथ अन्य रोजगारपरक योजनाओं के शुरुआत हुई। श्री हितेन जी कहते हैं की किन्हीं कारणों से भटके हुए ये सब मेरे अपने हैं। इसके जीवन उठान के लिए कार्य करना मेरी जिम्मेदारी में सम्मिलित है।

अनसर बाड़ा की तरह लातूर जिले में आसपास की बस्तियों में घुमंतु विमुक्त परिवरिन को सरकारी योजनाओं में पक्के मकान एवं रोजगार की व्यवस्था की गई है। गुमन्तु समाज में एक स्थान पर रुक कर विकास कर समाज की मुख्य धरा में सम्मानजनक जीवन जीने की ललक उत्पन्न हुई है। अब उनके घरों में विद्युत एवं शुद्ध पेय जल कनेक्शन के साथ आधार,मतदान पहचान पत्र, आरोग्य कार्ड,राशन कार्ड, एवं श्रमिक कार्ड भी उपलब्ध होने लगे हैं। परिवार कबाड़े बुजुर्गों को पेंशन मिलना शुरू हुआ है।

समाज में सम्मान जनक पहचान के साथ शासन में भी इनकी अपनी पहचान हो इस निमित्त कार्य शुरू किया। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्थापित “दादा इदाते समिति” की अनुशंसा पर गोपाल समाज को खानाबदोश समाजों में समावेश किया गया। लेकिन नौकरी एवं शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए सुबिधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जरी हैं। परिवार के सभी सदस्यों के सभी जरुरी दस्तावेज़ तैयार करवाए जाने लगे हैं। अनसरबाड़ा में परिषद ने एक प्रत्मिक विद्यालय शुरू किया। साथ दूसरे जरुरी कार्य जिससे यह समाज आत्मनिर्भर हो, के लिए कौशल एवं उद्योग प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। केन्द्र पर महिला एवं पुरुष दोनों को हस्त्कालाके प्रशिक्षण के पश्चात उत्पाद निर्माण में सहयोग किया गया। केन्द्र पर मोतियों की माला,शतरंज,पायदान,आसन,सजावटी सामान एवं झाली की थैली इत्यादि बनाये जाने लगे। आस पास के मेले एवं बाजारों में इसकी हस्तकला के सामानों को सराहा जाने लगा। बिक्री बढ़ने ने परिवारों की आय बढ़ने लगी। बस्ती में प्रशिक्षण देकर बचत गट(स्वयं सहायता समूह) बनाए गए। बचत को प्रोत्साहन मिला है बैंको में खाते खुले हैं।

बैंड वादन का व्यवसाय भी उत्तम रीति से चल रहा है। कुछ लोगों ने तो बैंक से कर्ज लेकर जीपें भी खरीद ली हैं। इस समय गोपाल समाज का अधिक से अधिक शिक्षा प्राप्त किया हुआ लड़का आठवीं कक्षा पास है और विशेष बात यह है कि उसका आगे की शिक्षा जारी है।

अनसरबाड़ा का बैंड वादन की आस पास के सभी क्षेत्र में बडी प्रसिद्धि है। हर मांगलिक उत्सव हो या अन्य कार्य बैंड यहीं से बुलाते हैं। एक बैंड पार्टी में कई लोगों को रोजगार मिलता है। कुछ लोगों ने स्वरोजगार के लिए बैंक से ऋण लेकर जीप खरीदी हैं जिसको टैक्सी एवं अन्य कार्यों में उपयोग करने से अच्छी मासिक आय होने लगी है।

आत्मनिर्भरता की ओर अनसरबाड़ा का एक और उल्लेखनीय कदम है, बस्ती विकास हेतु लोगों के लिए घुमंतु परिषद् द्वारा स्वयं सहायता समूह का निर्माण करना। विमुक्त घुमंतु लोगों के ४४ समूह कार्य कर रहे हैं। इनमे तीन समूह पुरुषो के भी हैंइन ४४ बचत गटों के पास 1035300 रूपये बचत राशि में एकत्र हुए हैं। जो हाथ फैला कर भीख मांगते थे उनके हाथों में स्वरोजगार से आत्मसम्मान के साथ कमाई हुई राशि है। आज अनसरबाड़ा जैसे अनेकों घुमंतु परिवार, देवगिरी,पश्चिम महाराष्ट्र एवं कोंकण में लाखों की बचत और संस्कारी जीवन के साथ समाज की मुख्य धारा में स्वावलंबन की नित नई कहानी लिख रहे हैं।

मेरठ प्रान्त : सेवा भारती बिजनौर का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

मध्य भारत प्रान्त : सेवा भारती शिवपुरी को स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आजोजित किया गया

सेवा भारती अवध प्रांत, लखनऊ विभाग द्वारा होली के पावन अवसर पर 'सेवा होलिकोत्सव' का आयोजन

सेवा भारती मेरठ प्रांत के महानगर सहारनपुर के कार्यालय पचौरी सेवा प्रकल्प का उद्घाटन हुआ

पंजाब प्रान्त: सेवा भारती गुरदासपुर द्वारा संचालित बाल संस्कार केन्द्र वार्षिक समारोह आयोजित किया गया

मालवा प्रान्त: सँकरा नेत्र चिकित्सालय में Graduation Ceremony आयोजित की गई